रिटायर्ड आबकारी अधिकारी भदौरिया पर लोकायुक्त का दबाव बढ़ा

इंदौर के नोटिस के बाद लॉकर खुलवाने ग्वालियर पहुंची टीम, परिवार के नाम पर हैं कई खाते और लॉकर

नव भारत न्यूज

इंदौर. करोड़ों की बेनामी संपत्ति के मामले में फंसे रिटायर्ड आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिंह भदौरिया पर लोकायुक्त की कार्रवाई का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है. इंदौर और ग्वालियर में हुई छापेमारी के बाद अब लोकायुक्त पुलिस ने उनके और परिवार के नाम पर दर्ज बैंक लॉकरों की जांच शुरू कर दी है.

लोकायुक्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भदौरिया के इंदौर और ग्वालियर स्थित ठिकानों पर हाल ही में छापे मारे गए थे. जांच में खुलासा हुआ कि

भदौरिया ने अपने सेवाकाल में करीब दो करोड़ रुपए वेतन प्राप्त किया, लेकिन उसके पास 25 करोड़ रुपए से अधिक की चल-अचल संपत्ति पाई गई. छापे के दौरान इंदौर में उनके दो बैंक खाते फ्रीज किए गए थे. इन्हीं खातों और लॉकरों को खुलवाने के लिए नोटिस भेजा था, लेकिन भदौरिया पहले पेश नहीं हुआ. छापे के दौरान लोकायुक्त टीम को बैंक ऑफ इंडिया में भदौरिया की पत्नी सीमा भदौरिया के नाम पर लॉकर मिला था. इसे खोलने पर लगभग 79 लाख रुपए मूल्य के जेवर बरामद हुए थे. इसके बाद दो अन्य लॉकरों की जानकारी भी सामने आई, जिन्हें तत्काल फ्रीज कर दिया था. परसों लोकायुक्त की टीम जब लॉकर खुलवाने के लिए इंदौर स्थित भदौरिया के निवास पहुंची तो घर का दरवाजा नहीं खोला था. टीम ने करीब एक घंटे तक घंटी बजाई और दस्तक दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. इसके बाद टीम ने नोटिस गेट पर चस्पा कर दिया था. लोकायुक्त पुलिस को जांच में पता चला कि इंदौर के एचडीएफसी बैंक और केनरा बैंक में मौजूद दोनों लॉकर भदौरिया की बेटी और बेटे के नाम पर हैं. कल दोनों को नया नोटिस भेजा है और नौकर के माध्यम से तामील भी करा लिया है. संभावना है कि आज दोनों लॉकर खोले जाएंगे. इसी बीच, ग्वालियर स्थित इंडियन बैंक के लॉकर को खोलने के लिए भी भदौरिया को नोटिस भेजा था, जिस पर वह गुरुवार को खुद वहां पहुंच गया.

> **लोकायुक्त की अगली कार्रवाई पर सबकी निगाहें**
>
> लोकायुक्त अधिकारियों का कहना है कि लॉकर खुलने के बाद यदि बेहिसाब आभूषण या नकदी बरामद होती है, तो संपत्ति का आंकड़ा और बढ़ सकता है. टीम भदौरिया परिवार के सभी वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है.

प्रेम प्रसंग में निराश युवक ने फांसी लगाई

- किसान ने गलती से कफ सिरप समझकर पी लिया जहर, हो गई मौत

इंदौर. राऊ क्षेत्र में देर रात उस समय सनसनी फैल गई जब एक ठेकेदार के बेटे ने फांसी लगाकर जान दे दी. प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग में निराशा की बात सामने आई है. वह तीन बहनों का इकलौता भाई था. वहीं, दूसरी ओर लसूडिया इलाके में एक किसान की मौत उस समय हो गई जब उसने गलती से कीटनाशक को कफ सिरप समझकर पी लिया.

राऊ थाना क्षेत्र के ब्रज विहार कॉलोनी निवासी करण पिता साइमन काहिर रात में घर लौटा और ऊपर के कमरे में चला गया. छोटी बहन को बाहर भेजते हुए उसने कहा कि वह कपड़े बदलना चाहता है. काफी देर तक दरवाजा बंद रहने पर बहन ने खिड़की से झांककर देखा तो करण फंदे पर लटका था. परिजन उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. करण तीन बहनों का इकलौता भाई था. मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, हालांकि पुलिस ने उसका मोबाइल जप्त कर लिया है.

दोस्तों ने पुलिस को बताया कि करण का एक युवती से प्रेम प्रसंग था, जो कुछ समय पहले टूट गया था, तब से वह अवसाद में रहने लगा था. पुलिस प्रेम प्रसंग सहित अन्य एंगल से भी जांच कर रही है. दूसरी घटना लसूड़िया थाना क्षेत्र की है, जहां किसान कैलाश पिता करण चौहान की जहरीला पदार्थ पीने से मौत हो गई. परिवार के मुताबिक, कैलाश को देखने और चलने में दिक्कत थी. घर में खेती के लिए रखी दवाओं के बीच उसने गलती से कीटनाशक को कफ सिरप समझकर पी लिया. परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. कैलाश अपने पिता के निधन के बाद मां के साथ रहता था. दोनों ही मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

एक नजर में

दो जिलाबदर पकड़ाए, अन्य चार के पास से हथियार मिले

इंदौर. पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए देर रात से सुबह तक अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सघन कार्रवाई करते हुए राज्य सुरक्षा अधिनियम और आर्म्स एक्ट के तहत कई आरोपियों को पकड़ा है. कार्रवाई में दो जिलाबदर अपराधी प्रतिबंधित क्षेत्र में घूमते मिले, जबकि चार आरोपियों को धारदार हथियार रखने पर गिरफ्तार किया है. राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने 40 वर्षीय भूपेंद्र उर्फ लवीन सावलकर निवासी राजेंद्र नगर को गिरफ्तार किया. आरोपी को जिलाबदर अवधि के दौरान प्रतिबंधित क्षेत्र में घूमते हुए पकड़ा गया. इधर, लसूड़िया पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 27 वर्षीय राकेश चौहान निवासी निपानिया और 21 वर्षीय अरशद उर्फ तोरु निवासी खजराना को पकड़ा. दोनों के पास से धारदार चाकू बरामद हुए. इसी तरह परदेशीपुरा पुलिस ने 32 वर्षीय नितिन वर्मा निवासी पुरानी जीवन की फेल के कब्जे से एक लोहे का तेजधार चाकू बरामद किया, जबकि थाना पलासिया पुलिस ने 16 वर्षीय कुलदीप बौरासी निवासी बड़ी ग्वालटोली को पकड़कर उसके पास से खटकेदार चाकू जप्त किया. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में त्योहारों और आयोजनों के मद्देनजर संदिग्धों की धरपकड़ और हथियार विरोधी अभियान लगातार जारी रहेगा. पुलिस का फोकस उन अपराधियों पर है, जो जिलाबदर, निगरानीशुदा या पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड वाले हैं.

7 थाना क्षेत्रों में 23 नशेड़ी रंगेहाथ गिरफ्तार

इंदौर. शहर के 7 थाना क्षेत्रों में मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में करीब दो दर्जन नशेड़ियों को रंगेहाथ दबोचकर सलाखों के पीछे डाल दिया गया. यह अभियान भंवरकुआं, तुकोगंज, राजेन्द्र नगर, एरोड्रम, मल्हारगंज, राऊ और तेजाजी नगर थाना क्षेत्रों में चलाया गया. अभियान के दौरान 23 लोगों को गांजा सेवन करते हुए पकड़ा गया. आरोपियों में रोहित सिटोले, रोशन सिंगारे, अमित वानखेड़े, भोला जाटव, विजय डाबी, अकील खां, महिपाल सिंह, सोनू शर्मा, सचिन जाटव, नवीन जमधड़, दिनेश माली, जगदीश चौहान, नितिन बुन्देला, हरि सोलंकी, गोलू पाटिल, जितेन्द्र उर्फ जीतू ठाकुर, सौरव विश्वकर्मा, राज पाल, जगदीश नरूका, अमित यादव, सागर पंवार, अशोक परमार और सद्दाम मंसूरी शामिल हैं. पुलिस ने सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है. अभियान का उद्देश्य शहर में मादक पदार्थों के सेवन और बिक्री पर अंकुश लगाना बताया गया है.

जिलाबदर बदमाश अजय उर्फ टीटी गिरफ्तार

इंदौर. तुकोगंज पुलिस ने बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात दबिश देकर जिलाबदर अपराधी 25 वर्षीय अजय उर्फ टीटी राणा निवासी रुस्तम का बगीचा को गिरफ्तार किया. आरोपी रासुका के तहत जारी आदेश का उल्लंघन करते हुए शहर में घूमता मिला. उपनिरीक्षक सत्यजीत चौहान ने बताया कि जब वह अपने अन्य साथियों के साथ गश्त पर थे, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि अजय उर्फ टीटी जय महाकाल दूध डेयरी के पास दिखाई दिया है. पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया. जांच में सामने आया कि आरोपी को 31 जुलाई 2025 को छह माह के लिए इंदौर सहित सीमावर्ती जिलों से जिला बदर किया था. बावजूद इसके वह प्रतिबंधित क्षेत्र में घूम रहा था, जिसे मौके से गिरफ्तार किया है. चौहान ने यह भी बताया कि अजय राणा कुख्यात बदमाश है और उसके खिलाफ पहले से कई प्रकरण दर्ज हैं. आरोपी को हवालात में बंद कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

शातिर बदमाश आकाश 6 माह के लिए तड़ीपार

इंदौर. आपराधिक गतिविधियों में लिप्त 28 वर्षीय आरोपी आकाश मालवीय को पुलिस आयुक्त ने रासुका के तहत 6 माह के लिए तड़ीपार कर दिया है. आदेश के अनुसार आकाश को जिला इंदौर जिसमें नगरीय और देहात एवं आसपास के सीमावर्ती जिलों में प्रवेश करने की इजाजत नहीं है. द्वारिकापुरी पुलिस की टीम ने लाउड स्पीकर के माध्यम से आदेश सुनाकर आरोपी और उसके परिजनों को पालन के लिए सूचित किया.

एसीपी रेखा सिंह ने बच्चों को बांटी मिठाई

इंदौर. दीवाली पर्व पर सहायक पुलिस आयुक्त यातायात रेखा सिंह ने थाना कनाड़िया की बीट टीम के साथ भूरी टेकरी मल्टी बिल्डिंग क्षेत्र का भ्रमण किया. इस दौरान उन्होंने मजदूरों, झुग्गी बस्ती में रहने वाले परिवारों और बच्चों से मुलाकात कर त्योहार पर सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील की. एसीपी रेखा सिंह ने सभी को दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए बच्चों को मिठाई और चॉकलेट वितरित कीं. इस दौरान उन्होंने कहा कि समाज में आपसी भाईचारा और सहयोग की भावना ही त्योहारों की असली पहचान है. पुलिस का उद्देश्य नागरिकों के साथ भरोसे और सद्भाव का वातावरण बनाए रखना है.

ट्रक के अंदर बोरियों में छिपाकर रखी लाखों की शराब जब्त

- इंदौर से गुजरात भेजी जा रही थी शराब

नव भारत न्यूज

इंदौर. बेटमा पुलिस ने औसरुद फाटे पर एक इंदौर पासिंग ट्रक को रोककर तलाशी ली तो उसमें बोरियों में छिपाकर ले जाई जा रही 1200 पेटियों से अधिक अवैध शराब बरामद हुई. शराब की मात्रा 14,400 बल्क लीटर बताई जा रही है, जिसकी कीमत लाखों रुपए के आसपास आंकी गई है.

थाना प्रभारी मीना करनावत ने बताया कि पुलिस ने ट्रक चालक तेजू, पिता शिवसिंह, निवासी ग्राम गुड़बेली, जिला आगरमालवा को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है. चालक के पास शराब के कोई कागजात नहीं थे, शुरुआती जांच में यह खुलासा हुआ कि शराब गुजरात भेजी जा रही थी. इंदौर से गुजरात तक अवैध शराब ले जाने के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं. पुलिस ने ट्रक और शराब को थाने ले जाकर जप्ती में लिया है. पुलिस प्रकरण दर्ज कर तस्करी के इस पूरे मामले की जांच कर रही है.

जोन-2 में रातभर गुंडे-बदमाशों-चाकूबाजों की धरपकड़

- पुलिस ने सघन चेकिंग की.

इंदौर. त्योहारों के मद्देनजर शहर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और असामाजिक तत्वों पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने जोन-2 क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया. पुलिस उपायुक्त जोन-2 कुमार प्रतीक के निर्देशन में यह अभियान देर रात तक चला, जिसमें विभिन्न थानों की संयुक्त टीमों ने गुंडा-बदमाश, जिलाबदर अपराधियों और चाकूबाजों की सघन चेकिंग की.

अभियान पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह के निर्देश पर संचालित किया जा रहा है. डीसीपी प्रतीक ने बताया कि अतिरिक्त डीसीपी अमरेन्द्र सिंह और सभी एसीपी व थाना प्रभारियों के मार्गदर्शन में विशेष टीमें गठित की गईं, जिन्होंने संवेदनशील इलाकों में लगातार कार्रवाई की.

पुलिस टीमों ने रातभर हॉटस्पॉट, शेडो एरिया और नशे से प्रभावित स्थानों पर सर्च अभियान चलाया. अभियान के दौरान जोन-2 क्षेत्र के थानों द्वारा 13 जिलाबदर अपराधियों की चेकिंग, 46 गुंडा-बदमाशों की जांच, 32 चाकूबाजों की निगरानी, और 157 संदिग्धों को थानों पर पूछताछ के लिए लाया गया. इनमें से कई के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 170 और 129 के तहत कार्रवाई की गई.

> डीसीपी के मुताबिक, दो मामलों में आर्म्स एक्ट की कार्रवाई भी की गई. चेकिंग के दौरान पुलिस ने 32 गुंडों और चाकूबाजों के डोजियर भरने के साथ 59 हॉटस्पॉट और 40 शेडो एरिया की जांच की. इसके अलावा 26 नशे के अड्डों और 18 मल्टी/बिल्डिंग परिसरों की भी गहन जांच की गई. डीसीपी कुमार प्रतीक का कहना है कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है. असामाजिक तत्वों पर निगरानी बढ़ाई गई है और सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करें. उन्होंने बताया कि त्योहारों तक जोन-2 क्षेत्र में यह विशेष अभियान निरंतर जारी रहेगा, ताकि शांति और सुरक्षा बनी रहे.

सुमन सखी बनेगी महिलाओं की नई हमसफर

- एआई आधारित चैटबॉट से गर्भवती महिलाएं घर बैठे पा सकेंगी स्वास्थ्य संबंधी सलाह
- वॉट्सएप पर चौबीसों घंटे हिंदी में होगा संवाद

नव भारत न्यूज

इंदौर. अब गर्भावस्था के दौरान या प्रसव के बाद महिलाओं को डॉक्टर या स्वास्थ्य केंद्र के चक्कर नहीं लगाने होंगे. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एनएचएम मध्यप्रदेश ने महिलाओं की सुविधा के लिए एआई आधारित सुमन सखी चैटबॉट शुरू किया है, जो वॉट्सएप पर हिंदी में 24 घंटे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी देगा.

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत शुरू की गई इस डिजिटल पहल से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाएं लाभान्वित होंगी. महिलाएं गर्भावस्था से जुड़ी किसी भी समस्या, खानपान, उच्च जोखिम स्थितियों या प्रसव पूर्व देखभाल संबंधी प्रश्न इस चैटबॉट से पूछ सकती हैं. सुमन सखी चैटबॉट से जुड़ने के लिए महिलाओं को वॉट्सएप नंबर पर हिंदी में अपना प्रश्न भेजना होगा. एआई सिस्टम सवाल को समझकर तुरंत समाधान या मार्गदर्शन देगा. यह चैटबॉट राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम और एनएचएम मध्यप्रदेश के संयुक्त प्रयास से तैयार किया है. यह चैटबॉट सिर्फ स्वास्थ्य सलाह तक सीमित नहीं रहेगा. इसके जरिए सरकारी स्वास्थ्य एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि महिलाएं समय पर उनका लाभ उठा सकें.

> **महिलाओं को तकनीक के माध्यम से जागरूक और सशक्त बनाना उद्देश्य**
>
> अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल यह चैटबॉट मातृ स्वास्थ्य और गर्भावस्था से जुड़े प्रश्नों का उत्तर देगा. जबकि, अगले चरण में महिलाओं से जुड़ी अन्य स्वास्थ्य और सामाजिक योजनाओं को भी इसमें जोड़ा जाएगा. सुमन सखी का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक करना और उन्हें तकनीक के माध्यम से सशक्त बनाना है. यह पहल मातृ मृत्यु दर कम करने और सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण डिजिटल प्रयोग मानी जा रही है.

फिर गुम हुईं तीन नाबालिग किशोरी

इंदौर. शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में तीन अलग-अलग किशोरियों के लापता होने की घटनाएं सामने आई हैं. परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने तीनों मामलों में बीएनएस की धारा 137(2) के तहत अपहरण का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पहला मामला थाना राऊ का है, जहां गुरुकुल कॉलोनी, रंगवासा निवासी रेखा भालेराव ने शिकायत की कि उसकी नाबालिग बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया. देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी. दूसरा मामला थाना भंवरकुआं क्षेत्र का है. जानकी नगर एक्सटेंशन निवासी रामु रावत ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी बिना बताए घर से कहीं चली गई है. पिता ने शंका जताई है कि कोई अज्ञात युवक उसे बहला-फुसलाकर ले गया. तीसरा मामला थाना हातोद का है. यहां फूलकराड़िया मोड़ निवासी अनिल सोलंकी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगाकर ले गया. तीनों घटनाओं में पुलिस ने अलग-अलग टीम बनाकर जांच शुरू की है. संदिग्धों की तलाश के लिए आसपास के इलाकों और रिश्तेदारों के घरों में दबिश दी जा रही है.

सुनील मग्गीरवार बने इंदौर एयरपोर्ट के नए डायरेक्टर

इंदौर. देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट के डायरेक्टर के रूप में सुनील मग्गीरवार ने गुरुवार को पदभार संभाला. एयरपोर्ट पर आयोजित औपचारिक समारोह में वर्तमान डायरेक्टर विपिनकांत सेठ ने उन्हें बधाई दी और जिम्मेदारी सौंपी. पदभार संभालने से पहले उन्होंने शाम को बिजासन माता के दर्शन भी किए.

इंदौर आने से पहले वे मुंबई एयरपोर्ट की संचार शाखा में जॉइंट जीएम के पद पर कार्यरत थे. इससे पहले उन्होंने शिमला और जलगांव एयरपोर्ट पर भी एयरपोर्ट डायरेक्टर के रूप में सेवाएं दी हैं. विभागीय सूत्रों का कहना है कि उनके कार्यकाल में इंदौर एयरपोर्ट अब तक का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनकर उभरेगा. मौजूदा डायरेक्टर विपिनकांत सेठ के ट्रांसफर को लेकर एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से अभी कोई आदेश जारी नहीं हुआ है, उम्मीद है कि अगले एक-दो दिनों में उनका ट्रांसफर ऑर्डर आ जाएगा, इसके बाद वे इंदौर से विदाई लेंगे.

किन्नर कांड के फरार तीन इनामी अब भी पुलिस की गिरफ्त से दूर

इंदौर. पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में किन्नर के साथ अप्राकृतिक कृत्य और प्रताड़ना के मामले में फरार तीन आरोपियों पर दस-दस हजार रुपए का इनाम घोषित किया, लेकिन वे अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं. कुछ दिन पहले पंढरीनाथ क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक किन्नरों ने प्रताड़ना और मानसिक तनाव के चलते एसिड पी लिया, जिन्हें एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जांच के बाद पुलिस ने पंकज जैन, अक्षय कुमायूं और राजा हाशमी के खिलाफ मामला दर्ज किया था. आरोपियों पर किन्नरों ने यह आरोप लगाया कि उन्होंने उन्हें ब्लैकमेल किया और एक किन्नर के साथ अप्राकृतिक कृत्य किया. डीसीपी आनंद कलादगी ने फरार आरोपियों पर दस-दस हजार रुपए का इनाम घोषित किया, लेकिन अब तक पुलिस को उनकी कोई लोकेशन नहीं मिली है. वहीं, अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम लगातार खोजबीन में लगी हुई है.

समस्या — शहर की हर सड़क पर, खासकर शाम के समय वाहन चलाना हुआ दूभर

धूल, गड्ढों, ट्रैफिक जाम से बुरी तरह बिगड़ चुकी शहर की सूरत

इंदौर. देश के सबसे साफ शहर की सूरत अब धूल, गड्ढों और ट्रैफिक जाम से बुरी तरह बिगड़ चुकी है. लोग अब शहर में बेलगाम होते और बढ़ते यातायात से मुक्ति चाहते हैं. जिस तरह शहर में आबादी और सडकों पर दौड़ने वाले वाहनों की संख्या में हर दिन इजाफा हो रहा है, उससे यह अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि निकट भविष्य यहां की हालत क्या होगी? यह बहुत बड़ी चिंता की बात है. अमूमन शहर के हर मुख्य मार्ग से गुजरने और वहां रहने वाले लोग ट्रैफिक जाम की समस्या से रोज ही खासकर, शाम के समय दो-चार होने को मजबूर हैं.

आज शहर की लगभग हर सडक् पर वाहन चलाना दूभर हो रहा है. वाहनों की रोज बढ़ती संख्या यातायात व्यवस्था बुरी तरह बिगाड़ रहे हैं. मुख्य मार्गों में अगर बात की जाए जवाहर मार्ग की तो यहां अब ऐसे फ्लाईओवर की जरूरत है, जो भविष्य के यातायात को संभाल सकें. कुछ वर्ष पहले संजय सेतू बनाया गया, जिससे राजवाड़ा की ओर जाने वाले वाहनों को इस मार्ग पर विभाजित कर दिया गया, फिर भी बढ़ती वाहन संख्या के कारण यहां कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ा. जवाहर मार्ग और नंदलालपुरा कबूतर खाना पर दिनभर जाम लगता ही रहता है. यही नहीं साउथतोड़ा रिवर साईड से सैकड़ों परिवारों को हटाते हुए यहां चौड़े मार्ग का निर्माण कर दिया गया, लेकिन इससे भी कुछ फर्क नहीं पड़ा, क्योंकि चंद्रभागा पुल से पंडरीनाथ मंदिर की ओर जाने वाला मार्ग एक गलीनुमा सडक् होने से यहां दिन में कई बार जाम लगता है. वहीं, नंदलालपुरा शनि मंदिर, गुरूद्वारा चौराहा, दूसरी तरफ सैफी होटल, बैंक ऑफ बड़ौदा चौराहा पर जाम लगते ही पूरे जवाहर मार्ग की यातायात व्यावस्था चरमरा जाती है, यहां का यातायात सुचारू रूप से संचालित होने के लिए नए सिरे से योजना बनाना आवश्यक हो गया है.

यह बोले रहवासी...

अब जवाहर मार्ग पर कार चलाना नामुमकिन सा हो चुका है. वर्तमान में अब दिन में भी कई बार जाम लग जाता है. शाम के समय तो यहां की स्थिति और भी बदतर हो जाती है. वाहन जहां गुत्थमगुत्था हो जाते हैं, वहीं वाहन चालक भी आपस में उलझते रहते हैं. इसका विकल्प जरूरी है.

- आनंद रावत

यातायात समस्या से इस मार्ग पर पहले की तुलना में व्यापार में भी गिरावट आई है. जाम के कारण ग्राहक यहां रुकता नहीं है या आता ही नहीं है. पार्किंग की समस्या भी बढ़ गई है. इस क्षेत्र में नई व्यवस्था की जरूरत है.

- अनिल यादव

जवाहर मार्ग पर बढ़ते यातायात की समस्या अब चरम पर पहुंच चुकी है. इसको लेकर शासन-प्रशासन को गंभीरता से मंथन करने की जरूरत है, अन्यथा आने वाले समय में यातायात की स्थिति विस्फोटक बन जाएगी.

- योगेश ठाकुर